रविवार, 28 जून, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

22 साल पुराने अंजू बॉबी जॉर्ज के कीर्तिमान को तोड़ा

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अक्षरा की बॉलीवुड में बैक टू बैक एंट्री

Page-05

सेशेल्स दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी

हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोग को मिलेगा नया आयाम

- **समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग मजबूत होगा**
- **आर्थिक संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया सेशेल्स दौरा भारत की विदेश नीति और समुद्री रणनीति के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक महत्व और वैश्विक शक्तियों की सक्रियता के बीच यह दौरा भारत और सेशेल्स के द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती प्रदान करने वाला कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच सहयोग के नए अवसर खुलेंगे और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और सेशेल्स के शीर्ष नेतृत्व के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल तकनीक और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति जताई। भारत लंबे समय से सेशेल्स के विकास में महत्वपूर्ण भागीदार रहा है और विभिन्न आधारभूत संरचना तथा सामुदायिक विकास परियोजनाओं में सहयोग प्रदान करता रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और सेशेल्स के संबंध आपसी विश्वास, मित्रता और साझा हितों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने समुद्री मार्गों की सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी के विकास और क्षेत्रीय सहयोग को वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकताएं बताया।सेशेल्स सरकार ने भी भारत के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध समय के साथ और अधिक मजबूत हुए हैं। रक्षा, समुद्री निगरानी, आपदा प्रबंधन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भारत की भूमिका को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया गया। दोनों पक्षों ने भविष्य में भी इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की।विश्लेषकों का कहना है कि हिंद महासागर वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। दुनिया के बड़े हिस्से का समुद्री व्यापार इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। ऐसे में भारत अपने समुद्री हितों की रक्षा और क्षेत्रीय साझेदारियों को मजबूत करने के लिए लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा भारत की 'सागर' (Security and Growth for All in the Region) नीति को भी मजबूती प्रदान करता है। माना जा रहा है कि इस यात्रा से भारत और सेशेल्स के बीच आर्थिक, सामरिक, सांस्कृतिक और कूटनीतिक संबंधों को नई दिशा मिलेगी तथा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की उपस्थिति और प्रभाव और अधिक सशक्त होगा।

सियाराम धाम' बनाने का वादा सपा ने पेश किया नया विजन

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अयोध्या एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। समाजवादी पार्टी ने अयोध्या के विकास को लेकर नया विजन पेश करते हुए कहा है कि यदि पार्टी को सत्ता में आने का अवसर मिलता है तो अयोध्या को 'सियाराम धाम' के रूप में विकसित किया जाएगा। पार्टी नेताओं का कहना है कि अयोध्या केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।समाजवादी पार्टी के इस प्रस्ताव को आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। पार्टी का दावा है कि वह अयोध्या के विकास को धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ स्थानीय लोगों के आर्थिक विकास से भी जोड़ेगी। इसके तहत पर्यटन सुविधाओं का विस्तार, स्थानीय रोजगार के अवसरों में वृद्धि तथा आधारभूत ढांचे को और मजबूत करने की योजना बनाई जाएगी।राजनीतिक गलियारों में इस बयान को आगामी चुनावी माहौल से जोड़कर देखा जा रहा है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि अयोध्या के विकास को लेकर विभिन्न दल जनता के सामने किस प्रकार की योजनाएं रखते हैं और मतदाता इन्हें किस नजरिए से देखते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीतिक बहस तेज

सरकार और विपक्ष आमने-सामने

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश की राजनीति में बहस लगातार तेज होती जा रही है। सरकार इस अभियान को राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक सफलता से जोड़कर देख रही है, जबकि विपक्ष इसके विभिन्न पहलुओं पर सवाल उठा रहा है। हाल के दिनों में इस विषय पर कई राजनीतिक नेताओं के बयान सामने आए हैं, जिससे राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अभियान से जुड़े मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में देश की सेनाओं और सुरक्षा एजेंसियों ने हमेशा उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सरकार देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम है।दूसरी ओर विपक्षी दलों ने अभियान से संबंधित कुछ जानकारियों और निर्णय प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय घटनाओं पर पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है। विपक्ष ने संसद और अन्य मंचों पर इस विषय पर विस्तृत चर्चा की मांग की है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे अक्सर राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। ऐसे मामलों में सरकार और विपक्ष के बीच मतभेद

स्वाभाविक हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखना आवश्यक होता है।जनता के बीच भी इस विषय को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है। कुछ लोग इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानते हैं, जबकि अन्य अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सुरक्षा से जुड़े मामलों में संतुलित दृष्टिकोण और तथ्यों पर आधारित चर्चा लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाती है।फिलहाल ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर संसद तथा सार्वजनिक मंचों पर और अधिक चर्चा देखने को मिल सकती है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का नया संगठनात्मक दांव

जमीनी स्तर पर मजबूती की तैयारी

उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से कांग्रेस ने संगठनात्मक स्तर पर नए बदलावों और रणनीतियों पर काम शुरू कर दिया है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि आगामी चुनावों को देखते हुए जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय और प्रभावी बनाना समय की आवश्यकता है। इसी दिशा में विभिन्न जिलों और क्षेत्रों में संगठन को पुनर्गठित करने की प्रक्रिया तेज की जा रही है।पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए नए पदाधिकारियों की नियुक्ति तथा कार्यकर्ताओं को अधिक जिम्मेदारियां देने की योजना पर काम कर रही है। विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि संगठन को केवल चुनावी समय में सक्रिय रखने के बजाय वर्षभर जनता के मुद्दों से जोड़ा जाएगा। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों की समस्याओं जैसे विषयों पर अभियान चलाने की भी तैयारी की जा रही है। पार्टी का मानना है कि जनता से निरंतर संवाद स्थापित कर ही संगठन को मजबूत बनाया जा सकता है।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार उत्तर प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस पिछले कुछ वर्षों से अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का

प्रयास कर रही है। राज्य में भाजपा, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जैसे मजबूत राजनीतिक दलों के बीच कांग्रेस के सामने चुनौती बड़ी है। ऐसे में संगठनात्मक मजबूती पार्टी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।कांग्रेस का दावा है कि नए बदलावों से कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ेगा और पार्टी की गतिविधियां गांवों तथा शहरों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी। वहीं विपक्षी दल इसे चुनावी तैयारी का हिस्सा बता रहे हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि कांग्रेस की नई रणनीति और संगठनात्मक बदलाव उसे राजनीतिक रूप से कितना लाभ पहुंचा पाते हैं तथा राज्य की राजनीति पर उनका क्या प्रभाव पड़ता है।

गाजा में बच्चों की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र की चिंता,मानवीय सहायता बढ़ाने की अपील

गाजा में जारी संघर्ष और हिंसा के बीच बच्चों की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट में इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है कि लंबे समय से चल रहे संघर्ष का सबसे अधिक असर बच्चों पर पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार हजारों बच्चे शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षित जीवन जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं। लगातार हो रहे संघर्ष ने उनके सामान्य जीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने बताया कि गाजा के कई इलाकों में रहने वाले बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। लगातार असुरक्षा, विस्थापन और हिंसा के माहौल ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डाला है। कई बच्चे अपने परिवार के सदस्यों को खो चुके हैं, जबकि बड़ी संख्या में परिवारों को अपने घर छोड़कर राहत शिविरों और अस्थायी आश्रयों में शरण लेनी पड़ी है।रिपोर्ट में कहा गया है कि संघर्ष के कारण अनेक स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र प्रभावित हुए हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा और चिकित्सा सेवाएं बाधित हुई हैं। कई क्षेत्रों में भोजन, स्वच्छ पेयजल और आवश्यक दवाओं की भी कमी देखी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य पर इसके

दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं।अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि युद्ध और संघर्ष का प्रभाव केवल वर्तमान समय तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों पर भी इसका असर पड़ता है। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना अत्यंत आवश्यक है। विशेषज्ञों के अनुसार लगातार तनाव और भय के माहौल में रहने वाले बच्चों के मानसिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।संयुक्त राष्ट्र ने सभी संबंधित पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का पालन करने और नागरिकों, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। साथ ही राहत एजेंसियों को प्रभावित क्षेत्रों तक बिना किसी बाधा के पहुंच प्रदान करने की मांग की गई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने और मानवीय सहायता बढ़ाने पर जोर दिया है। फिलहाल विभिन्न वैश्विक संस्थाएं गाजा में राहत, पुनर्वास और बच्चों के कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों को मजबूत करने के प्रयासों में जुटी हुई हैं।

राम मंदिर फंड मामले में निष्पक्ष जांच की मांग

राम मंदिर निर्माण से जुड़े कथित फंड प्रबंधन को लेकर राजनीतिक बहस एक बार फिर तेज हो गई है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि देशवासियों की आस्था से जुड़े किसी भी विषय में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है।प्रियंका गांधी ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की श्रद्धा का केंद्र है और इससे जुड़े आर्थिक मामलों में किसी भी प्रकार के संदेह को दूर करने के लिए स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि यदि किसी प्रकार की शिकायतें या आरोप सामने आए हैं तो उनकी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए।दूसरी ओर भाजपा नेताओं ने इन आरोपों को राजनीतिक प्रेरित बताते हुए खारिज किया है। उनका कहना है कि राम मंदिर निर्माण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही है और संबंधित ट्रस्ट समय-समय पर आवश्यक जानकारी सार्वजनिक करता रहा है। भाजपा का आरोप है कि विपक्ष धार्मिक और भावनात्मक मुद्दों का राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि राम मंदिर केवल धार्मिक नहीं बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बन चुका है। ऐसे में इससे जुड़ी किसी भी टिप्पणी या मांग पर व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिलती है।

सेशेल्स में गूंजा भारत का दम, पीएम मोदी बने 'गेस्ट ऑफ ऑनर'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर सेशेल्स पहुंचे। वे नेशनल डे समारोह में गेस्ट ऑफ ऑनर बनेंगे, राष्ट्रपति से वार्ता करेंगे और भारत-सेशेल्स रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय देश सेशेल्स पहुंचे। इस यात्रा को भारत और सेशेल्स के बीच रणनीतिक, आर्थिक और समुद्री सहयोग को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सेशेल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने स्वयं प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके साथ उच्चस्तरीय सरकारी प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद रहा। प्रधानमंत्री को पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया, जिसके बाद दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर पहुंचे हैं। इस दौरान वे देश के 50वें राष्ट्रीय दिवस (गोल्डन जुबली) समारोह में 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में शामिल होंगे। यह सम्मान किसी भी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को विशेष अवसरों पर ही दिया जाता है, जो दोनों देशों के बीच विश्वास और मजबूत संबंधों का प्रतीक माना जाता है। प्रधानमंत्री की मौजूदगी से भारत और सेशेल्स के बीच दशकों पुराने मैत्रीपूर्ण संबंधों को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस बैठक में समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, व्यापार, निवेश, डिजिटल तकनीक, क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा, जलवायु परिवर्तन, ब्लू इकोनॉमी तथा हिंद महासागर क्षेत्र में साझेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। दोनों देश आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए कई नए समझौतों पर भी विचार कर सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, दोनों नेताओं की बातचीत का उद्देश्य क्षेत्रीय स्थिरता और साझा विकास को नई गति देना है। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे। अपने संबोधन में उनके दोनों देशों के लोकतांत्रिक मूल्यों, विकास सहयोग और भविष्य की साझेदारी पर विचार रखने की संभावना है। इसके अलावा प्रधानमंत्री वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे। सेशेल्स में भारतीय मूल के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक एवं सामाजिक संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस समारोह में भारतीय सशस्त्र बलों का एक दल भी हिस्सा लेगा। इसके साथ ही भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत समारोह में शामिल होंगे, जो हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सक्रिय समुद्री उपस्थिति और सुरक्षा सहयोग का प्रतीक होंगे। यह भागीदारी दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और विश्वास को भी दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले वर्ष 2015 में सेशेल्स की यात्रा कर चुके हैं। उस यात्रा के दौरान समुद्री सुरक्षा, तटीय निगरानी, रक्षा सहयोग और विकास परियोजनाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल की गई थीं। पिछले एक दशक में भारत ने सेशेल्स में आधारभूत ढांचे, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षमता निर्माण से जुड़े अनेक विकास कार्यों में सहयोग दिया है। यही कारण है कि सेशेल्स भारत का एक भरोसेमंद समुद्री साझेदार माना जाता है।

अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों के अध्ययन के दिए निर्देश

गृह मंत्री अमित शाह ने आज आबादी में बदलाव पर एक बैठक की अध्यक्षता की और आयोग को सीमावर्ती ज़िलों में आबादी में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान, श्री शाह ने आयोग को हालात का जायज़ा लेने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करने का भी निर्देश दिया। इससे पहले पिछले महीने, केंद्र सरकार ने अवैध आप्रवासन और अन्य असामान्य कारणों से आबादी में होने वाले बदलावों का अध्ययन करने और उनसे निपटने के उपाय सुझाने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया था। अधिकारियों ने बताया कि समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने समिति से कहा कि वह अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से आए बदलावों का आकलन करने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करे। इस कमिटी के प्रमुख सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर हैं। इसके सदस्यों में जनगणना आयुक्त के साथ-साथ रिटायर्ड IAS अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व IPS अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव और डॉ. शमिका रवि शामिल हैं। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (विदेशी-I) इस कमिटी के सदस्य सचिव हैं। पिछले महीने कमिटी के गठन की घोषणा करते हुए, शाह ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि डेमोग्राफिक बदलाव (जनसांख्यिकीय बदलाव) एक गंभीर मुद्दा है। यह न केवल देश की संप्रभुता से जुड़ा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, सामाजिक ढांचे में बड़े बदलाव और आदिवासी समाज के संरक्षण से भी जुड़ा है।

राज्यसभा में PM बोले-कांग्रेस के वक्त डील यानी बोफोर्स घोटाला

रोलेक्स घड़ी से लेकर कीमती आभूषण तक, अब जनता लगा सकेगी बोली

लग्ज़री रोलेक्स यॉट-मास्टर-2 घड़ी से लेकर कुवैत के अल अबशि ब्रांड के बहुमूल्य आभूषण सेट तक, भारत सरकार के अधिकारियों को विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त लगभग 300 उपहारों की ई-नीलामी की जा रही है। यह नीलामी विदेश मंत्रालय के तोशाखाना द्वारा आयोजित की जा रही है। तोशाखाना वह सरकारी भंडार है, जहां भारत या विदेश में सरकारी अधिकारियों को विदेशी स्रोतों से प्राप्त उपहार, स्मृति-चिह्न और अन्य औपचारिक भेंट सुरक्षित रखी जाती हैं। आधिकारिक ई-नीलामी पोर्टल के अनुसार, यह नीलामी आठ जून से शुरू हुई है और 30 जून तक होगी। नीलामी में एक्सेसरीज़, आभूषण, सौंदर्य प्रसाधन, कांच के बर्तन, पोर्सिलेन, चांदी की वस्तुएं, इत्र सहित विभिन्न श्रेणियों की वस्तुओं पर बोली लगाई जा सकती है। नीलामी में शामिल प्रमुख वस्तुओं में रोलेक्स यॉट-मास्टर-2 घड़ी जिसकी शुरुआती कीमत 16,52,360 रुपये रखी गई है, कार्टियर (सैंटोस ड्यूमोंट कलेक्शन) की घड़ी, जिसकी प्रारंभिक कीमत 5,02,360 रुपये है तथा चांदी का सिगरेट बॉक्स, जिसकी प्रारंभिक कीमत 12,030 रुपये निर्धारित की गई है, शामिल हैं। पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इच्छुक भारतीय नागरिक ई-नीलामी पोर्टल पर पंजीकरण कर अपनी पसंद की वस्तुओं के लिए बोली लगा सकते हैं। पंजीकरण केवल भारत में निवास करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए खुला है और नीलाम की गई वस्तुओं की आपूर्ति भी केवल देश के भीतर ही की जाएगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, तोशाखाना की अभिरक्षा उसके पास इसलिए है ताकि भारत या विदेश में सरकारी अधिकारियों को विदेशी गणमान्य व्यक्तियों अथवा विदेशी स्रोतों से प्राप्त उपहारों को सुरक्षित रखा जा सके। यह ई-नीलामी पोर्टल विशेष रूप से तोशाखाना में उपलब्ध उपहार वस्तुओं की नीलामी के लिए बनाया गया है।

यूके में शरणार्थी नीति में बड़ा बदलाव, अवैध प्रवासियों पर होगी सख्ती

सरकार ने कहा है कि वह योग्य शरणार्थियों के लिए नए सुरक्षित और कानूनी रास्ते खोलेगी और साथ ही मानवाधिकार कानूनों में बदलाव करेगी ताकि देश में गैर-कानूनी तरीके से रह रहे लोगों को वापस भेजना आसान हो सके। इस योजना में शरणार्थियों के लिए नए रास्तों के साथ-साथ इमिग्रेशन से जुड़े व्यापक कानून भी शामिल हैं, जिनका मकसद सिस्टम के गलत इस्तेमाल को रोकना है, जिसे अधिकारी सिस्टम का दुरुपयोग कहते हैं। नए रास्तों के तहत, कम्युनिटी ग्रुप, यूनिवर्सिटी और एम्प्लॉयर को शरणार्थियों को यूके लाने के लिए स्पॉन्सर करने की इजाज़त होगी। अधिकारियों ने बताया कि यह योजना कनाडा के इसी तरह के कम्युनिटी स्पॉन्सरशिप प्रोग्राम से प्रेरित है, जिसके तहत 1979 से अब तक लगभग 4,00,000 लोगों को बसाया जा चुका है। होम सेक्रेटरी शबाना महमूद ने शुक्रवार को कहा कि मैं असली शरणार्थियों के लिए नए कानूनी रास्ते खोलूंगी, साथ ही उन कमियों को भी दूर करूंगी जिनका अक्सर गलत फायदा उठाया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित इमिग्रेशन कानून का मकसद मानवाधिकार कानूनों के दुरुपयोग को रोकना और "बेबुनियाद दावों" पर सख्ती करना होगा। इस कदम से परिवार की परिभाषा भी सख्त हो जाएगी, ताकि यह सिर्फ़ करीबी परिवार के सदस्यों पर ही लागू हो। आलोचकों का कहना है कि मानवाधिकारों पर यूरोपीय कन्वेंशन का हवाला अक्सर उन लोगों को देश से बाहर भेजने से रोकने के लिए दिया जाता है, जिन्हें यूके में रहने का कोई अधिकार नहीं है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब महमूद को इस बात को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा है कि क्या प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के पद छोड़ने के बाद वह अपने पद पर बनी रहेंगी। स्टारमर ने सोमवार को घोषणा की कि वह दो साल के कार्यकाल के बाद इस्तीफा देने की योजना बना रहे हैं; इस दौरान हुई गलतियों और गलत फैसलों ने पार्टी और जनता के बीच उनकी साख को कमजोर कर दिया था। सत्ताधारी लेबर पार्टी के नया नेता चुनने के कुछ ही हफ्तों के भीतर उनके पद छोड़ने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर एंडी बर्नहम बिना किसी पार्टी-स्तरीय मुकाबले के ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री बनेंगे।

रणनीतिक जलमार्ग में फिर तनाव,

टैंकर पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला

यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स (UKMTO) के अनुसार, रणनीतिक तौर पर अहम होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) से गुज़र रहे एक टैंकर को हालिया समुद्री घटना में निशाना बनाया गया और उस पर हमला हुआ। ब्रिटिश समुद्री एजेंसी ने बताया कि टैंकर के कैप्टन ने पुष्टि की है कि जहाज़ पर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल (हवा में तेज़ी से चलने वाली चीज़) से हमला हुआ। UKMTO ने आगे बताया कि जहाज़ के ब्रिज (कंट्रोल रूम) को नुकसान पहुँचा है। अहम बात यह है कि सभी क्रू सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं और इस हमले के बाद अभी तक पर्यावरण को किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। UKMTO ने कहा कि संबंधित समुद्री अधिकारी अभी इस घटना की जाँच कर रहे हैं। इससे पहले, वॉशिंगटन के इन आरोपों के बाद कि तेहरान ने उसी जलमार्ग से गुज़र रहे एक कार्गो जहाज़ को निशाना बनाया था, अमेरिका ने ईरान की मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज सुविधाओं के साथ-साथ तटीय रडार ठिकानों पर सैन्य हमले किए थे। US सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने कहा कि ये जवाबी हमले हाल ही में समुद्र में हुए हमले का

कड़ा जवाब थे। घटना के बारे में विस्तार से बताते हुए सेंट्रल कमांड ने कहा, "25 जून को ईरान द्वारा 'M/V एवर लवली' पर वन-वे अटैक ड्रोन से हमला किए जाने के बाद, US विमानों ने ईरान के मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज ठिकानों और तटीय रडार साइटों पर हमला किया। ईरान के हमले के समय सिंगापुर के झंडे वाला यह कार्गो जहाज ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) से गुजर रहा था। बयान में आगे कहा गया, "ईरानी सेना द्वारा कमर्शियल जहाजों के खिलाफ बिना किसी उकसावे के की गई आक्रामकता ने साफ तौर पर युद्धविराम का उल्लंघन किया। इसके अलावा, ईरान के खतरनाक व्यवहार ने नेविगेशन की आजादी को कमजोर किया, क्योंकि इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यापार गलियारे से बड़े पैमाने पर व्यापार होता है।

संपादक की कलम से

पानी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। इसके बिना मानव जीवन, कृषि, उद्योग और पर्यावरण की कल्पना भी संभव नहीं है। विडंबना यह है कि जिस जल को प्रकृति ने अमूल्य धरोहर के रूप में हमें सौंपा है, उसी का सबसे अधिक दुरुपयोग भी हम ही कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में हर वर्ष गर्मियों के दौरान जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। कहीं पेयजल के लिए लंबी कतारें लगती हैं तो कहीं किसान सिंचाई के अभाव में अपनी फसलें बचाने के लिए संघर्ष करते हैं। यह स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि यदि अभी भी जल संरक्षण को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और विकराल हो सकता है।भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में शामिल है, जबकि मीठे जल के संसाधन सीमित हैं। बढ़ती जनसंख्या, अनियोजित शहरीकरण, भूजल का अत्यधिक दोहन, नदियों का प्रदूषण और वर्षा जल के उचित संचयन की कमी ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। अनेक शहरों में भूजल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कई नदियां औद्योगिक अपशिष्ट और घरेलू कचरे के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं, जिससे स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है।सरकार ने जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। 'जल जीवन मिशन', 'अटल भूजल योजना' और वर्षा जल संचयन जैसी पहलें सकारात्मक दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कई राज्यों में तालाबों और जलाशयों के पुनर्जीवन का कार्य भी किया जा रहा है। हालांकि, केवल सरकारी योजनाओं के भरोसे इस चुनौती का समाधान संभव नहीं है। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति जल संरक्षण को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं मानेगा, तब तक अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होंगे। हर नागरिक अपने स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करके बड़ा बदलाव ला सकता है। घरों में पानी की बर्बादी रोकना, वर्षा जल संचयन को अपनाना, रिसाव वाले नलों की मरम्मत कराना, पेड़ों का संरक्षण और जल स्रोतों को स्वच्छ रखना ऐसे कदम हैं, जिनका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। कृषि क्षेत्र में ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देकर भी पानी की बड़ी मात्रा बचाई जा सकती है।विद्यालयों और महाविद्यालयों में जल संरक्षण को व्यवहारिक शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी बचपन से ही इस विषय के प्रति संवेदनशील बने। मीडिया, सामाजिक संगठनों और स्थानीय प्रशासन को भी जन-जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को पानी के महत्व और उसके संरक्षण के प्रति प्रेरित करना चाहिए। जल संकट केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का भी प्रश्न है।

एक ही फ्लाइट में दिखे फडणवीस और उद्धव ठाकरे, सियासी चर्चाओं का बाजार गर्म

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे मुंबई से नागपुर की एक ही फ्लाइट में साथ दिखे। इस पर राजनीतिक अटकलें तेज हुईं, लेकिन दोनों दलों ने इसे महज संयोग बताया और किसी राजनीतिक संकेत से इनकार किया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (UBT) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को मुंबई से नागपुर की एक ही फ़्लाइट में साथ देखा गया, जिससे राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज़ हो गईं। ठाकरे के साथ उनके बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य, और पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत भी इंडिगो की फ़्लाइट से नागपुर गए। सोशल मीडिया पर एक वीडियो क्लिप भी वायरल हुआ, जिसमें विरोधी पार्टियों के नेता एक ही लाइन में, रास्ते (आइल) के दोनों तरफ़ बैठे हुए दिखे। समाचार एजेंसियों ने इस घटना की पुष्टि की। नागपुर फडणवीस का गृह-नगर है, जबकि ठाकरे गुट वहां शिवसेना की एक रैली के लिए जा रहा था। शिवसेना (UBT) नेता विदर्भ और मराठवाड़ा के तीन दिन के दौरे पर हैं। इस दौरे में वे उन छह बागी सांसदों के चुनाव क्षेत्रों का भी दौरा कर रहे हैं, जो पिछले हफ़्ते एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल हो गए थे। अपनी यात्रा को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए फडणवीस ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा कि तीनों नेताओं की मुलाक़ात दिन की सबसे बड़ी ख़बर थी। उन्होंने TV9 मराठी से कहा उद्धव ठाकरे, संजय राउत और मैं हम तीनों एक ही फ़्लाइट में साथ थे, यही सबसे बड़ी ख़बर है। बीजेपी और विपक्ष के नेताओं ने किसी भी तरह की राजनीतिक अटकलों को खारिज करते हुए इस मुलाकात को महज एक संयोग बताया है। हालांकि, यह घटनाक्रम शिवसेना (यूबीटी) के छह बागी नेताओं के पाला बदलकर प्रतिद्वंद्वी शिंदे गुट में शामिल होने के कुछ दिनों बाद हुआ है। इसे महज एक संयोग बताते हुए बीजेपी नेता राम कदम ने इस मुलाकात को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद नेताओं के निजी संबंध भी होते हैं। कदम ने एएनआई से कहा कि सब कुछ गंवाने के बाद अगर उद्धव ठाकरे जनता के बीच जाते हैं, तो यह महज एक दिखावा है। क्या उन्होंने अपनी जिंदगी में कभी चार्टर्ड प्लेन को छोड़कर इस तरह इंडिगो की फ्लाइट में सफर किया है? यह सिर्फ एक स्टंट है। जहां तक फ्लाइट में मुख्यमंत्री के साथ उनकी मुलाकात की बात है, तो यह महज एक संयोग था। उन्होंने कहा प्लेन से उतरने के बाद अभिवादन का आदान-प्रदान स्वाभाविक है। हालांकि, इसमें राजनीतिक मकसद खोजना गलत है। वे (उद्धव) ऐसे समय में घर से बाहर निकले हैं जब कुछ भी नहीं बचा है।

वाइको ने DMK से तोड़ा नाता, तमिलनाडु की राजनीति में नया मोड़

वाइको के नेतृत्व वाली मारुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (MDMK) ने MK स्टालिन के नेतृत्व वाली DMK से गठबंधन तोड़ने का फ़ैसला किया है, जिससे नौ साल पुराना गठबंधन खत्म हो गया है। यह फ़ैसला शनिवार को पार्टी की हाई-लेवल कमिटी की बैठक में लिया गया। बैठक में पास किए गए प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि भविष्य में चुनावी गठबंधन के बारे में फ़ैसला चुनाव के समय लिया जाएगा। पार्टी प्रमुख वाइको ने एक दिन पहले ही अपनी नाराज़गी का संकेत दे दिया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि गठबंधन के ढांचे के भीतर पार्टी के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया है। पिछले महीने, वाइको ने कई बार संकेत दिए थे कि उनकी पार्टी गठबंधन से बाहर हो जाएगी। हालांकि, गठबंधन के तहत विधानसभा चुनाव लड़ने और जीतने वाले MDMK उम्मीदवारों ने इस्तीफ़ा देने से इनकार कर दिया है और ज़ोर देकर कहा है कि वे DMK के साथ बने रहेंगे। सिरकाज़ी के विधायक सेंथिल सेल्वम ने पार्टी की बैठक का बहिष्कार किया और MDMK से इस्तीफ़ा देने की घोषणा करते हुए कहा कि वे DMK में शामिल होंगे। ख़बरों के मुताबिक, MDMK विधायक और पार्टी के डिप्टी जनरल सेक्रेटरी टीएम राजेंद्रन ने भी यह सीट छोड़ने से इनकार कर दिया है। DMK गठबंधन के तहत MDMK के चार उम्मीदवारों ने विधानसभा चुनाव लड़ा था, जिनमें से दो उम्मीदवार चुनाव जीते थे। शनिवार को पारित एमडीएमके के प्रस्ताव में कहा गया है कि पार्टी ने तमिलनाडु में सांप्रदायिक ताकतों को मजबूत होने से रोकने और द्रविड़ आंदोलन के मूल सिद्धांतों को कायम रखने के लिए वैचारिक आधार पर डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हुई है। आरोप है कि 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान गठबंधन के भीतर एमडीएमके की विशिष्ट पहचान को मिटाने और उसकी 32 साल की राजनीतिक विरासत को नजरअंदाज करने के प्रयास किए गए।

महुआ मोइत्रा ने कहा—'98% बंगाली मांसाहारी, बच्चों पर शाकाहार न थोपें

कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के तहत आने वाले स्कूलों में मिड-डे मील से अंडे हटाने के पश्चिम बंगाल सरकार के फ़ैसले पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ज़्यादातर बंगाली लोग मांसाहारी हैं और उन्हें सोया पसंद नहीं है। पश्चिम बंगाल में तब राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया जब भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने कोलकाता में स्कूलों के मिड-डे मील को तैयार करने का काम 'इंटरनेशनल सोसाइटी फ़ॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस' (ISKCON) को सौंपने और अंडों की जगह राजमा जैसे शाकाहारी भोजन को शामिल करने के लिए एक नया पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया। TMC ने सरकार पर बंगाल में शाकाहारी संस्कृति थोपने का आरोप लगाया है। नई सरकार के तहत राज्य का पहला बजट पेश करते हुए, बंगाल के वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने घोषणा की कि प्राइमरी स्कूलों में मिड-डे मील की लागत प्रति छात्र ₹6.78 से बढ़ाकर ₹10 कर दी जाएगी और KMC इलाके में एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत पका हुआ खाना सप्लाई करने की ज़िम्मेदारी ISKCON को सौंपी जाएगी। मिड-डे मील में शाकाहारी खाना परोसे जाने को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए महुआ मोइत्रा ने कहा कि ज़्यादातर बच्चों को सोया पसंद नहीं है और उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर स्कूलों में शाकाहार थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अंडे 'क्लास A' प्रोटीन होते हैं, जिसका मतलब है कि उनमें सभी ज़रूरी अमीनो एसिड होते हैं। सोया ही एकमात्र ऐसा नॉन-एनिमल प्रोटीन है जो 'फर्स्ट क्लास' होता है। हमारे बच्चों को सोया पसंद नहीं है। जब हम स्कूलों में उन्हें यह खिलाते हैं, तो उन्हें यह पसंद नहीं आता। और आप अंडे की जगह इसे ला रहे हैं। मोइत्रा ने कहा कि 98% बंगाली आबादी मांसाहारी है और अंडों की तुलना में सोया में पोषक तत्वों की कमी होती है।

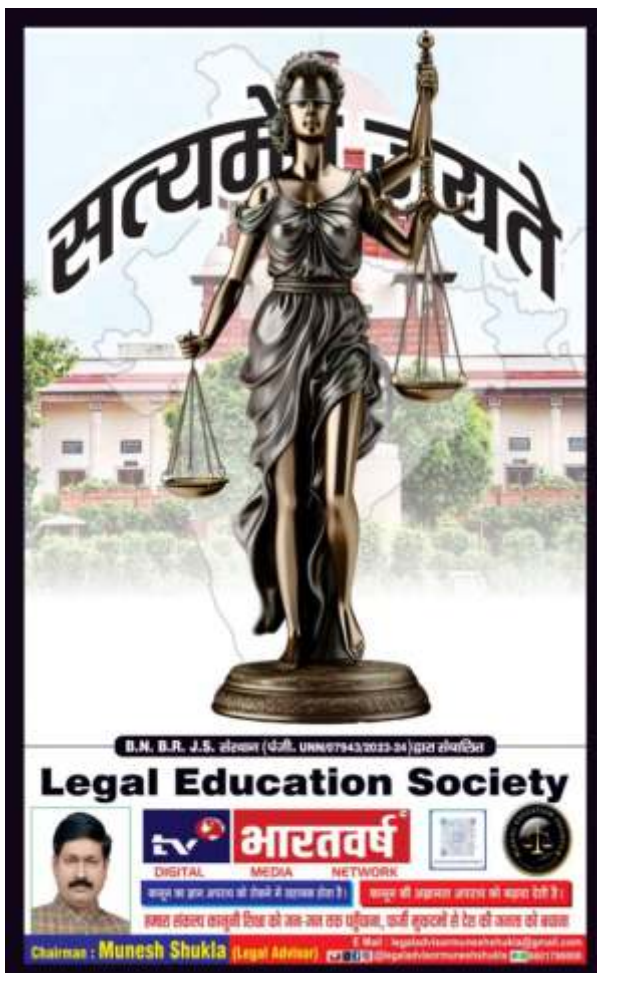

हिंदी शिक्षा की गौरवशाली विरासत

शांतिनाथ हिंदी हाई स्कूल का प्रेरक सफर

आज जब शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, तब शांतिनाथ हिंदी हाई स्कूल एवं राजस्थानी हिंदी विद्यालय यह साबित कर रहा है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, पहचान और मूल्यों की वाहक भी होती है। साढ़े छह दशक बाद भी यह संस्थान हिंदी शिक्षा और संस्कारों की मशाल को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहा है। विद्यालय की स्थापना का उद्देश्य राजस्थान और हिंदीभाषी परिवारों के बच्चों को मातृभाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना था। शुरुआती वर्षों में विद्यालय का संचालन मंगलवारपेठ, घंटीकेरी, जवली साल और बंकापुर चौक क्षेत्र के विभिन्न भवनों में किया गया। उस समय सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बीच समाज के लोगों ने शिक्षा की इस अलख को जीवित रखा। विद्यालय में प्रारंभ में मात्र 10 से 15 विद्यार्थी अध्ययन करते थे, लेकिन शिक्षा के प्रति समाज की जागरूकता और संस्थान की गुणवत्ता के कारण विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ती गई। धीरे-धीरे यह विद्यालय उत्तर कर्नाटक में हिंदी शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हो गया। वर्ष 1988-89 में समाज के सामूहिक प्रयासों और दानदाताओं के सहयोग से भूमि खरीदकर विद्यालय के वर्तमान भवन का निर्माण किया गया। आज शांतिनिकेतन परिसर में हिंदी विद्यालय सहित पांच शिक्षण संस्थानों का संचालन किया जा रहा है। यह परिसर हजारों विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण और संस्कार शिक्षा का साक्षी बना हुआ है। संस्थान केवल पाठ्यक्रम आधारित शिक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों और नैतिकता के संस्कार भी विकसित करता रहा है। यही कारण है कि यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले अनेक विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर समाज में अपनी पहचान बना चुके हैं। बदलते समय में हिंदी माध्यम के विद्यालयों के सामने अनेक चुनौतियां आईं, लेकिन संस्थान ने अपने मूल उद्देश्य से कभी समझौता नहीं किया। आज भी यहां हिंदी भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। नई पीढ़ी को मातृभाषा से जोड़ और भारतीय संस्कृति से परिचित कराने में विद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है। श्री जैन राजस्थानी विद्या प्रचारक मंडल के अध्यक्ष भवरलाल सी. जैन लक्की ने कहा कि विद्यालय ने अपने लंबे सफर में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन समाज के सहयोग और समर्पण से यह संस्था निरंतर आगे बढ़ रही है। वर्तमान में मंडल के अधीन पांच शिक्षण संस्थानों का संचालन किया जा रहा है और शिक्षा तथा संस्कारों की यह परंपरा भविष्य में भी जारी रहेगी।

IIT बॉम्बे और SUNY ओल्ड वेस्टबरी के बीच समझौता

भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) बॉम्बे और अमेरिका की स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क (SUNY) ओल्ड वेस्टबरी के बीच शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता किया गया है। इस साझेदारी का उद्देश्य इंजीनियरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), उभरती प्रौद्योगिकियों तथा नवाचार आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना है।समझौते के तहत दोनों संस्थान संयुक्त शोध परियोजनाओं पर कार्य करेंगे। इसके अलावा छात्र और शिक्षकों के लिए विनिमय कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे, जिससे दोनों देशों के विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की शिक्षा और शोध का अनुभव प्राप्त होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय सहयोग से भारतीय छात्रों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भागीदारी बढ़ेगी और उन्हें नए अवसर प्राप्त होंगे।केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 का उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली को विश्वस्तरीय बनाना है और इस प्रकार की साझेदारियां उसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, आधुनिक दौर में केवल पारंपरिक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। छात्रों को वैश्विक तकनीकी विकास, अनुसंधान और नवाचार से जोड़ना समय की आवश्यकता बन चुका है।।IIT बॉम्बे और SUNY ओल्ड वेस्टबरी की यह साझेदारी विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकों, अनुसंधान सुविधाओं और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक नेटवर्क तक पहुंच प्रदान करेगी।शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने इस समझौते को भारत के उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक कदम बताया है। उनका मानना है कि इससे भारतीय संस्थानों की वैश्विक पहचान मजबूत होगी और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करियर बनाने के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

दूसरे T20I में डेब्यू कर सकते हैं वैभव सूर्यवंशी

22 साल पुराने अंजू बॉबी जॉर्ज के कीर्तिमान को तोड़ा

भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में नेशनल इंटर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में केरल की 25 साल की महिला एथलीट एंसी सोजन का लंबी कूद के इवेंट में ऐतिहासिक प्रदर्शन देखने को मिला है। एंसी सोजन ने नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लंबी कूद के इवेंट में 6.88 मीटर की छलांग लगाने के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड बना दिया है। वहीं एंसी सोजन ने रांची में हुए फेडरेशन कप में 6.76 मीटर की छलांग लगाते हुए पहले ही एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने का टिकट भी हासिल कर लिया था। वहीं एंसी सोजन ने दिग्गज भारतीय महिला एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज के 22 साल पुराने 6.83 मीटर लंबी कूद के नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ने के साथ अब उसे अपने नाम दर्ज करवा लिया है। एंसी सोजन पिछले कुछ सालों से लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सोजन ने अपने 5वें प्रयास में जब 6.83 मीटर की छलांग लगाई उसी के साथ वह नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने में कामयाब हो गईं। अंजू बॉबी जॉर्ज ने साल 2004 के एथेंस ओलंपिक में 6.83 मीटर की छलांग लगाते हुए नेशनल रिकॉर्ड बनाया था जो अब तक उन्हीं के नाम पर था। एंसी सोजन पिछले 20 सालों में एशिया की सिर्फ दूसरी ऐसी महिला एथलीट हैं जो 6.85 मीटर से अधिक की छलांग लंबी कूद में लगाने में कामयाब हो सकी हैं। वहीं अपनी इस उपलब्धि के साथ एंसी सोजन एशिया की 8वीं सर्वश्रेष्ठ महिला लॉन्ग जम्पर बन गई हैं। अब सभी की नजरें जापान में होने वाले एशियन गेम्स में एंसी सोजन के प्रदर्शन पर टिकी हुई हैं जिसमें उनसे गोल्ड मेडल की उम्मीद की जा रही है। वहीं इसके अलावा आगामी वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी एंसी से सभी की काफी उम्मीदें हैं जिसमें वह पदक जीतने वाली दावेदारों में शामिल हो गई हैं।

2.31 मीटर की ऊंचाई पार करने के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया

भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में आयोजित की जा रही नेशनल इंटर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सर्वेश कुशारे ने पुरुष हाई जंप के इवेंट में 2.31 मीटर की ऊंचाई पार करने के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। महाराष्ट्र के सर्वेश कुशारे ने 8 साल पुराने तेजस्विन शंकर के 2.29 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ने के साथ अब इसे अपने नाम कर लिया है। सर्वेश कुशारे ने इसी के साथ जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भी अपनी जगह को पक्का कर लिया है।महाराष्ट्र के 31 साल के सर्वेश कुशारे ने 27 जून को कलिंगा स्टेडियम में अपने शानदार कंट्रोल से सभी को प्रभावित किया। सर्वेश ने हाई जंप के इवेंट में अपने तीसरे प्रयास में 2.31 मीटर की ऊंचाई को पार करने के साथ तेजस्विन शंकर के 2.29 मीटर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जो उन्होंने साल 2018 के अप्रैल महीने में बनाया था। कुशारे ने तीसरे प्रयास के बाद अपनी अगली कोशिश में 2.35 मीटर की ऊंचाई को पार करने की कोशिश की लेकिन वह उसमें सफल नहीं हो सके। वहीं 2.31 मीटर का नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने के साथ सर्वेश कुशारे ने एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के क्वालिफाइंग स्टैंडर्ड को भी आसानी से पार कर लिया, जिसके साथ ही उनका एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा लेने का रास्ता भी साफ हो गया। सर्वेश कुशारे को लेकर बात की जाए तो वह घरेलू और इंटरनेशनल सर्किट में पिछले कुछ सालों से लगातार देश के प्रमुख हाई जंप इवेंट के एथलीट में से एक हैं। सर्वेश कुशारे ने जब साल 2019 में इंडियन ओपन हाई जंप का खिताब अपने नाम किया था तो उस समय उन्होंने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। कुशारे ने पेरिस ओलंपिक में भी हिस्सा लिया था और वहीं साल 2025 में टोक्यो में हुई वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हाई जंप के इवेंट में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बने थे जिसमें उन्होंने 2.28 मीटर के साथ के छठे स्थान पर खत्म किया था।

आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को हराकर इतिहास रच दिया

वूमेंस टी20 वर्ल्डकप 2026 में शनिवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां आयरलैंड ने इतिहास रचते हुए टी20 वर्ल्डकप में अपनी पहली जीत दर्ज की। आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को हराकर सेमीफाइनल का समीकरण ही बदल दिया। इस हार के बावजूद वेस्टइंडीज की टीम बेहतर नेट रनरेट के दम पर सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही। इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 128 रन बनाए। 129 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड ने 18.4 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और ऐतिहासिक जीत दर्ज की। आयरलैंड की जीत के बाद यह समीकरण बन गया था कि अगर न्यूजीलैंड इंग्लैंड को हरा देता तो वह इंग्लैंड के साथ सेमीफाइनल में पहुंच सकता था। लेकिन डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ ही उसकी सेमीफाइनल की उम्मीदें खत्म हो गईं। अब ग्रुप बी से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इंग्लैंड ने सभी पांच मुकाबले जीतकर 10 अंक हासिल किए और ग्रुप में शीर्ष स्थान पर रहा। वहीं वेस्टइंडीज ने 5 मैचों में 6 अंक जुटाए और बेहतर नेट रन रेट के आधार पर अंतिम चार में जगह बनाई। श्रीलंका ने भी 5 मैचों में 6 अंक हासिल किए, लेकिन उसका नेट रन रेट वेस्टइंडीज से खराब रहा, जिसके कारण वह तीसरे स्थान पर रही और सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी। न्यूजीलैंड 4 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहा, जबकि स्कॉटलैंड और आयरलैंड ने एक-एक जीत के साथ क्रमशः पांचवां और छठा स्थान हासिल किया।

93 की उम्र में भी थिएटर में काम कर रही महिला

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आप देख सकते हैं कि एक 93 साल की महिला मूवी थियेटर में काम कर अपना गुजारा कर रही हैं. वीडियो में आप देख सकते हैं कि जैसे ही फिल्म खत्म होती है, दर्शक हॉल से बाहर निकलते दिखते हैं. उसी वक्त महिला अपना काम शुरू कर देती हैं. वह वहां बिखरे कचरे को धीरे-धीरे समेटती है. वह खाली बोतलें और खाने के पैकेट इकट्ठा करती हैं, ताकि अगला शो समय पर शुरू हो सके. ⊙

मिलावट का नया तरीका या कलाकार की जादुई कला?

समोसे पर ब्रश से रंग का अनोखा खेल

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने लोगों को हैरान कर दिया है. वीडियो में एक शख्स समोसे जैसी दिखने वाली चीजों पर ब्रश से रंग लगाता नजर आता है. इसके बाद कुछ लोगों ने मिलावट का दावा किया.

एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को कन्फ्यूज कर दिया है.

पहली नजर में ऐसा लगता है कि एक शख्स समोसों पर ब्रश से रंग लगा रहा है. वीडियो सामने आते ही कई लोगों ने इसे खाने में मिलावट का मामला बता दिया, जबकि एक दावा ये भी है कि ये खाने वाले समोसे नहीं, बल्कि सजावट के लिए बनाए गए नकली समोसे हैं. फिलहाल वीडियो को लेकर जमकर बहस छिड़ी हुई है.

वायरल क्लिप में एक व्यक्ति जमीन पर बैठा दिखाई देता है. उसके आसपास समोसे जैसी चीजें रखी हैं. कुछ का रंग हल्का है, जबकि कुछ पहले से सुनहरे रंग की दिखाई देती हैं. वह ब्रश की मदद से इन पर रंग लगाता नजर आता है. पास में रंग से भरे छोटे-छोटे डिब्बे भी रखे हुए हैं. ये नजारा लोगों को उलझन में डाल रहा है, क्योंकि यह किसी कुकिंग प्रोसेस से ज्यादा पेंटिंग जैसा दिखाई देता है.यह वीडियो X पर शेयर किये गया है. जिसका कैप्शन है- मुझे लगा था समोसे शुद्ध होते हैं, लेकिन यहां भी मिलावट हो रही है. इसके बाद वीडियो तेजी से वायरल हो गया और कई लोगों ने खाने की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए. वीडियो पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं. एक यूजर ने लिखा कि समोसे को रंगने की क्या जरूरत है. ⊙

सच्चाई अब भी साफ नहीं

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वीडियो में दिख रही वस्तुएं वास्तव में खाने वाले समोसे हैं या सजावट के लिए तैयार किए गए खिलौने . इस वीडियो या उससे जुड़े दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है.फिलहाल सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग अपनी-अपनी समझ के अनुसार इसकी अलग-अलग व्याख्या कर रहे हैं. ⊙

अक्षरा की बॉलीवुड में बैक-टू-बैक एंट्री

चाहे बॉलीवुड का बड़ा बैनर हो या साउथ का कोई हाई-बजट एक्शन ड्रामा, हर जगह भोजपुरी एक्टर्स की मौजूदगी फिल्म को हिट कराने का एक नया और सफल फॉर्मूला बन चुकी है.

शिखर नेगी, आजतक

क्या हिंदी फिल्मों में 'हिट मशीन' बन रहे हैं भोजपुरी स्टार्स?

भोजपुरी सिनेमा के कलाकारों का डंका अब सिर्फ यूपी-बिहार तक ही नहीं, बल्कि मायानगरी मुंबई से लेकर साउथ फिल्म इंडस्ट्री तक जोर-शोर से बज रहा है. हाल ही में भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार की मल्टी-स्टारर कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से हिंदी सिनेमा में एक धमाकेदार शुरुआत की है. खुद अक्षरा सिंह ने इस बड़े प्रोजेक्ट को अपने करियर का एक शानदार टर्निंग पॉइंट माना है, और इसके तुरंत बाद उनके हाथ एक और बड़ी फिल्म लग चुकी है. फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के मजेदार गाने 'घिस घिस घिस' में अक्षय कुमार के साथ अक्षरा सिंह का देसी और एनर्जेटिक अंदाज दर्शकों को बेहद पसंद आया, और यह गाना सोशल मीडिया से लेकर चार्टबस्टर लिस्ट तक पर एक बड़ा हिट साबित हुआ है. अक्षरा सिंह की यह कामयाबी इस बात का साफ इशारा है कि अब मेनस्ट्रीम की बड़ी फिल्मों में भोजपुरी स्टार्स और वहां के गानों की डिमांड काफी बढ़ गई है, जो फिल्म के बिजनेस और रीच को एक नए मुकाम पर ले जा रही है. ⊙

अक्षरा सिंह के हाथ लगी बड़ी फिल्म

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के अलावा अक्षरा सिंह के हाथ एक और बड़ी फिल्म लगी है. जिसकी एक झलक ने सोशल मीडिया पर गदर काटा हुआ है. जी हां, हम बात कर रहे हैं, मैडॉक फिल्म्स की 'ईठा'. जिसमें श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आएंगी. दिलचस्प बात ये है कि आखिरी बार जब मैडॉक की फिल्म में श्रद्धा नजर आई थी, तो उसमें भी तगड़ा भोजपुरी कनेक्शन निकल कर सामने आया था. ⊙

बड़े पर्दे के भौकाल का साइज अब चेक होगा... प्राइम वीडियो की धमाकेदार वेब सीरीज मिर्जापुर अब फिल्म की शक्ल में थिएटर्स में धमाल मचाने के लिए तैयार है. यह फिल्म जबसे अनाउंस हुई थी, तभी से जनता इसके लिए रेड कार्पेट बिछाए बैठी थी. अब फाइनली मेकर्स ने मिर्जापुर द मूवी का टीजर शेयर कर दिया है और यह टीजर इस बात का इशारा अभी से दे रहा है कि 4 सितंबर को थिएटर्स में क्या धमाका होने वाला है. सीरीज की तरह कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) और गुड्डू भैया (अली फजल) का लेजेंड्री बवाल फिल्म का भी सबसे गर्म मुद्दा है. 2018 में सेट इस कहानी की सबसे बड़ी हाईलाइट है मुन्ना भैया के रोल में दिव्येंदु शर्मा की वापसी, क्योंकि उनका किरदार वेब सीरीज में मर चुका था. साथ ही मुन्ना के प्रिय मित्र कंपाउंडर (अभिषेक बनर्जी) की भी वापसी हो रही है. ⊙

10 साल बाद जेल से छूटी 'तुलसी'

टेलीविजन के लोकप्रिय शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में 10 साल का लीप आने वाला है. लीप के बाद कहानी पूरी तरह पलट जाएगी. सीरियल का नया प्रोमो शेयर आउट हो चुका, जो सोशल मीडिया पर चर्चा में बना हुआ है. जानते हैं कि कहानी में क्या ट्विस्ट आने वाला है. नए प्रोमो में दिखाया गया कि तुलसी 10 साल बाद जेल से बाहर आ रही हैं. जेल से छूटते ही वो अपने परिवार से मिलने जाती है. ⊙

'कॉकटेल 2' की गिर रही कमाई

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की फिल्म कॉकटेल 2 बीते शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हुई थी. 2012 में आई आइकॉनिक फिल्म कॉकटेल का यह सीक्वल, बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से बेहतर ओपनिंग लेकर आया. लेकिन सोमवार से इस फिल्म की कहानी का ट्रेंड एक अलग ही कहानी कह रहा है. ⊙

डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने किया कंफर्म, बताया क्यों अटकी है फिल्म

बंद नहीं हुई मुन्नाभाई 3!

डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने साल 2004 में संजय दत्त-अरशद वारसी को लेकर फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस बनाई थी. इसने बॉक्स ऑफिस पर सफलता तो पाई ही, साथ में लोगों के दिलों पर भी अपना हक जमाया. इसके बाद, मुन्नाभाई को एक फ्रेंचायजी में बदला गया और साल 2006 में लगे रहो मुन्नाभाई फिल्म रिलीज हुई. दोनों ही फिल्में बहुत बड़ी सक्सेस साबित हुई. फिल्म में मुन्ना-सर्किट की जोड़ी मिसाल बनकर रह गई. राजकुमार हिरानी की जमकर तारीफ हुई. इतने सालों में इसके तीसरे पार्ट का बड़ा इंतजार किया गया. लेकिन वो अभी तक नहीं बना. मुन्नाभाई फिल्म का दूसरा पार्ट आए 20 साल गुजर गए हैं, मगर इसके तीसरे पार्ट पर अभी तक कोई अपडेट नहीं है. ⊙

अखिलेश यादव का अयोध्या विकास पर बड़ा बयान

अयोध्या को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक केंद्र बनाने का दावा

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार बनने पर अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां आधुनिक सुविधाओं के साथ आध्यात्मिकता, विरासत और रोजगार पर विशेष ध्यान होगा।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या के विकास को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि उनकी सरकार बनने पर अयोध्या को इस तरह विकसित किया जाएगा कि विश्वभर से आने वाले श्रद्धालु यहां सच्ची आध्यात्मिकता की अनुभूति कर सकें। अखिलेश ने कहा कि अयोध्या केवल एक धार्मिक नगर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है, जिसे आधुनिक सुविधाओं के साथ उसकी मूल पहचान और सांस्कृतिक गरिमा के अनुरूप विकसित किया जाना चाहिए। अखिलेश यादव के इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा शुरू हो गई है। राजनीतिक जानकार इसे आगामी चुनावों से पहले अयोध्या और धार्मिक पर्यटन को लेकर समाजवादी पार्टी की बड़ी रणनीति के रूप में देख रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है और इसकी पहचान केवल मंदिरों और धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय दर्शन और आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि यदि समाजवादी पार्टी को अवसर मिला तो अयोध्या का विकास इस प्रकार किया जाएगा कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु केवल धार्मिक दर्शन ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक शांति और भारतीय संस्कृति की गहराई का भी अनुभव कर सके। अखिलेश ने कहा कि विकास का अर्थ केवल बड़ी-बड़ी इमारतें और चौड़ी सड़कें बनाना नहीं है, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना भी है, जहां श्रद्धालु, पर्यटक और स्थानीय लोग सहजता और शांति का अनुभव कर सकें। सपा अध्यक्ष ने कहा कि अयोध्या में विश्वस्तरीय सुविधाओं का विकास किया जाना चाहिए, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि शहर में बेहतर यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, आवास, पार्किंग, पर्यटन सुविधाएं और आधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्यों के दौरान शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को किसी भी कीमत पर प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। अयोध्या की प्राचीन पहचान और उसकी आध्यात्मिक गरिमा को संरक्षित रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या के विकास का सीधा लाभ स्थानीय लोगों को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाओं के कारण यहां रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। उनके अनुसार, होटल उद्योग, परिवहन, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यापार और छोटे उद्यमों को बढ़ावा देकर हजारों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या का विकास केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का माध्यम भी बनना चाहिए।

बदहाल सड़क के विरोध में पानी की टंकी पर चढ़े पूर्व बीडीसी

लखनऊ में शनिवार को बदहाल सड़कों के विरोध में पूर्व बीडीसी राजू यादव पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ गए। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद गांव की सड़कें नहीं बनाई गईं। करीब एक घंटे से अधिक समय तक टंकी पर डटे रहने से गांव वाले परेशान हो गए। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें नीचे उतारने के प्रयास में जुट गए। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजबाला रावत टंकी पर चढ़ीं और बातचीत कर उन्हें नीचे उतरने के लिए राजी किया। पूरा मामला दुबग्गा थाना क्षेत्र के टांड़ खेड़ा गांव का है। राजू यादव का आरोप है कि गांव की सड़कें लंबे समय से जर्जर हैं। उन्होंने कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से इसकी शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। उनका कहना है कि प्रशासन की उदासीनता से परेशान होकर उन्हें यह कदम उठाना पड़ा है। टंकी पर बैठे राजू यादव ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क निर्माण या मरम्मत का आश्वासन नहीं मिला तो वह कोई आत्मघाती कदम उठा सकते हैं। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर जुट गए। पानी की टंकी पर चढ़े पूर्व बीडीसी राजू यादव का प्रदर्शन प्रशासन के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजबाला रावत टंकी पर चढ़ीं और बातचीत कर उन्हें नीचे उतरने के लिए राजी किया। करीब एक घंटे चले घटनाक्रम के बाद राजू यादव सुरक्षित नीचे उतर आए। मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया।

कंघी टोला में बदहाल मूलभूत सुविधाएं, अवैध कब्जे से लेकर गंदे पानी तक लोग परेशान

कंघी टोला क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की बदहाली से स्थानीय लोग लंबे समय से परेशान हैं। पुराने लखनऊ के वार्ड नंबर-99 अचार्य नरेंद्र देव के अंतर्गत आने वाले इस इलाके में सीवर ओवरफ्लो, गंदे पानी की आपूर्ति, कूड़ा निस्तारण की खराब व्यवस्था और जर्जर बिजली के खंभे लोगों के लिए बड़ी समस्या बने हुए हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद संबंधित विभागों ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। इलाके की सबसे बड़ी समस्या नगर निगम के सुलभ शौचालय पर पिछले करीब 20 वर्षों से कथित अवैध कब्जा है। लोगों का कहना है कि शौचालय को निजी संपत्ति की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है और ठेकेदार इसके लिए किराया वसूल रहे हैं। आसपास कोई अन्य सार्वजनिक शौचालय नहीं होने के कारण स्थानीय लोगों और राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार शिकायत के बावजूद नगर निगम ने कब्जा हटाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया, जिससे लोगों में नाराजगी है। सफाई व्यवस्था भी बदहाल है। सड़कों और गलियों में जगह-जगह

कूड़ा फैला रहता है। लोगों का आरोप है कि नगर निगम की कार्यदायी संस्था लखनऊ स्वच्छता अभियान (एलएसए) केवल 40 से 50 प्रतिशत घरों से ही नियमित कूड़ा एकत्र करती है। इससे लोग मजबूरी में गलियों और खाली स्थानों पर कचरा फेंक देते हैं। झाड़ू भी दो-तीन दिन में एक बार लगती है, जबकि नालियां और मुख्य नाला गंदगी व कूड़े से अटे पड़े हैं। पेयजल की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। नेपियर रोड समेत कई क्षेत्रों में नए ट्यूबवेल और मिनी ट्यूबवेल की मांग लंबे समय से की जा रही है। रानी कटरा सहित कई इलाकों में गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है, जिससे लोगों के बीमार होने की शिकायतें बढ़ रही हैं। वहीं, काला पाइप इलाके में कई घरों में पानी के कनेक्शन होने के बावजूद लंबे समय से जलापूर्ति नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द समस्याओं का समाधान कराने की मांग की है।

भीषण गर्मी से नहीं मिलेगी राहत, 29 जून से बारिश की उम्मीद

लखनऊ में हीट वेव का दौर जारी है। सुबह से गर्म हवा के थपेड़े चल रहे हैं। तेज चटक धूप के चलते तपन और उमस के बीच लोग परेशान हो रहे हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। दिन में दोपहर के समय में पारा अपने अधिकतम स्तर पर दर्ज किया जाएगा। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से 6.3 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 30.4 डिग्री रहा। यह सामान्य तापमान से 4 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 70 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 32 फीसदी दर्ज किया गया। लखनऊ समेत उत्तर प्रदेश इस समय भीषण गर्मी और जानलेवा लू की चपेट में है। मौसम विभाग के मुताबिक 28 जून तक प्रदेश के लोगों को इस तपती गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। हालांकि, इसके तुरंत बाद एक बड़ी राहत की खबर भी है। 29 जून से राज्य में झमाझम बारिश का नया दौर शुरू होने जा रहा है, जिससे मानसून की एंट्री के लिए रास्ते खुल जाएंगे। फिलहाल प्रदेश में बारिश न होने की वजह से गर्मी ने तेवर कड़े कर रखे हैं। राजधानी लखनऊ समेत बांदा, गाजीपुर, बलिया, सुल्तानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र, अलीगढ़, बरेली, शाहजहांपुर और फर्रुखाबाद में भी लोग लू से बेहाल हैं।

लखनऊ कमिश्नरेट में एसीपी स्तर पर बड़ा फेरबदल,

पांच अधिकारियों के तबादले

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में शनिवार को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) स्तर पर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। पुलिस आयुक्त के आदेश पर 5 अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। तबादलों में ट्रैफिक, गाजीपुर, कैंट, मलिहाबाद और साइबर जैसे अहम सर्किल शामिल हैं। महेश त्यागी को एसीपी ट्रैफिक बनाया गया है। अतुल कुमार पाण्डेय को गाजीपुर सर्किल की कमान सौंपी गई है। सुजीत कुमार दुबे को मलिहाबाद से हटाकर एसीपी कैंट नियुक्त किया गया है, जबकि ज्ञानेन्द्र सिंह को कैंट से मलिहाबाद भेजा गया है। वहीं प्रतीक दहिया को एसीपी साइबर, यूपी-112 और पुलिस लाइन्स की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस कमिश्नरेट में हुए इस प्रशासनिक फेरबदल को कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने की कवायद माना जा रहा है। नई तैनाती वाले अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

मोहनलालगंज में फर्जी बैनामे का खेल बेनकाब, तीन प्रॉपर्टी डीलर गिरफ्तार

मोहनलालगंज पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा करने और लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में तीन प्रॉपर्टी डीलरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कूटरचित अभिलेखों के आधार पर खुद को जमीन का मालिक बताकर एक महिला से करीब 9.91 लाख रुपए ठगे थे। पुलिस के अनुसार, जानकीपुरम विस्तार निवासी अनीता सिंह ने मोहनलालगंज थाने में इस संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था। अनीता सिंह ने अपनी शिकायत में बताया कि जनवरी 2022 में उन्होंने ग्राम सलेमपुर स्थित गाटा संख्या-3116 में 2500 वर्गफुट का एक प्लॉट वी-वन इंफ्रा टेक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विपिन तिवारी से खरीदा था। इस प्लॉट के एवज में अनीता सिंह ने 8.50 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से और 1.41 लाख रुपए नकद दिए थे। जमीन का बैनामा उपनिबंधक कार्यालय में पंजीकृत भी कराया गया था। जब अनीता सिंह निर्माण कार्य के लिए मौके पर पहुंचीं, तो उन्हें पता चला कि जिस जमीन का बैनामा उनके नाम किया गया

था, वह वास्तव में विक्रेता के नाम थी ही नहीं। जांच में सामने आया कि बैनामे में स्वामित्व दर्शाने के लिए जिस अभिलेख का उपयोग किया गया था, वह पूरी तरह कूटरचित था। वास्तविक दस्तावेज किसी दूसरे गाटा से संबंधित था और राजस्व अभिलेखों में संबंधित जमीन किसी अन्य व्यक्ति के नाम दर्ज थी। विवेचना के दौरान यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी के साथ दो अन्य लोगों ने फर्जी बैनामे में गवाह बनकर उसकी मदद की थी। इन गवाहों को वास्तविक स्थिति की पूरी जानकारी थी। इसके आधार पर पुलिस ने मामले में आपराधिक षड्यंत्र की धारा भी बढ़ाई। शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को उनके घरों से गिरफ्तार कर लिया।

गंगा कटान से सड़क ध्वस्त,

डीएम ने दिए राहत और बचाव के निर्देश

उन्नाव में गंगा नदी की मुख्य धारा से शिवराजपुर-दबौली मार्ग पर सड़क कटान हो गया है। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को मार्ग अवरोध, राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों की जानकारी ली और स्थायी समाधान के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। यह कटान विकासखंड फतेहपुर-84 क्षेत्र के शिवराजपुर-दबौली मार्ग पर हुआ है। गंगा की तेज धारा के कारण सड़क का एक हिस्सा कट गया है, जिससे इस मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ है। निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी से सड़क कटान से उत्पन्न स्थिति, प्रभावित क्षेत्रों और आपातकालीन राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी व्यवस्थाएं तैयार रखने को कहा। जिलाधिकारी ने कटान रोकने के लिए बनाई जा रही कार्ययोजना का भी जायजा लिया। उन्होंने बोल्डर से तटबंध निर्माण, सड़क मार्ग को सुरक्षित करने के उपायों और संभावित प्रभावित परिवारों के लिए राहत शिविरों की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध और प्रभावी तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अभियंता, बाढ़ खंड, को सड़क कटान की समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर बेहतर कार्ययोजना तैयार कर तत्काल आवश्यक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य मार्ग को सुरक्षित करना और लोगों को परेशानी से बचाना है। डीएम ने उपजिलाधिकारी बांगरमऊ को राजस्व टीम के माध्यम से प्रभावित होने वाले गांवों का सर्वे कराने के निर्देश दिए। साथ ही, संभावित प्रभावित परिवारों के लिए राहत शिविर, पेयजल, भोजन और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने को कहा। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने अधिकारियों को जलस्तर पर लगातार नजर बनाए रखने और संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य में देरी नहीं होनी चाहिए।

ट्रक-डंपर में टक्कर के बाद लगी आग

उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र में अजमत नगर गांव के पास उन्नाव-संडीला मार्ग पर शनिवार देर रात एक ट्रक और डंपर की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। यह हादसा रात करीब तीन बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों में आग लग गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार ट्रक और डंपर की टक्कर के बाद आग की लपटें तेजी से फैल गईं। आग को विकराल रूप लेते देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय निवासियों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही आसीवन थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया और फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों वाहनों में लगी आग पर काबू पाया। हादसे में डंपर चालक रविकांत (पुत्र बृजकिशोर, निवासी जहांगीराबाद, बाराबंकी) और परिचालक अमित यादव (पुत्र संतराम, निवासी देवां, बाराबंकी) घायल हो गए। वहीं, ट्रक चालक की पहचान अदनान (पुत्र राजीव उर्फ रज्जन, निवासी मोबिनाबाद, शहर कोतवाली, हरदोई) के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। आसीवन थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि घायल चालकों और परिचालक को मियागंज और सफीपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है।

भीषण गर्मी में हैंडपंप और वाटर कूलर तोड़ने का आरोप

उन्नाव में भीषण गर्मी के बीच सफीपुर नगर पंचायत की पेयजल व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। नगर पंचायत सफीपुर के अधिशासी अधिकारी ने कोतवाली सफीपुर में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि मोहल्ला जुगियाना में लगे इंडिया मार्का हैंडपंप का बोर और वाटर कूलर कुछ लोगों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। शिकायत में बताया गया है कि शनिवार सुबह कुछ लोगों ने इसे तोड़ दिया, जिससे स्थानीय लोगों के सामने पेयजल की समस्या खड़ी हो गई है। घटना से संबंधित एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। नगर पंचायत कर्मचारियों ने मौके का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से जानकारी ली और वीडियो साक्ष्य भी प्राप्त किया। शिकायती पत्र में समशाद पुत्र जहूर, बब्लू पुत्र जहूर, समीर पुत्र समशाद, मुकर्रम अली पुत्र जहूर, निसार पुत्र जहूर, मोहम्मद आजम पुत्र निसार, शाहिद पुत्र निसार, सरफराज पुत्र निसार और मारूफ पुत्र समशाद सहित अन्य लोगों के नाम बताए गए हैं। आरोप है कि इन लोगों ने हैंडपंप के बोर में ईंटें डालकर उसे खराब कर दिया और वाटर कूलर की जाली व अन्य हिस्सों को भी क्षतिग्रस्त किया। अधिशासी अधिकारी ने पुलिस से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही, सरकारी संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई कराने की भी अपील की गई है, ताकि खराब हुई पेयजल व्यवस्था को जल्द से जल्द सुचारू किया जा सके। थानाध्यक्ष सफीपुर संदीप मिश्रा ने कहा है कि शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जाएगी।

गंगापुल पर तीन दिन तक मरम्मत कार्य, भारी वाहनों के लिए डायवर्जन लागू

उन्नाव। कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर स्थित जाजमऊ के नए गंगापुल के कानपुर छोर पर क्षतिग्रस्त एप्रोच मार्ग की मरम्मत का काम शुक्रवार से शुरू हो गया है। निर्माण कार्य के चलते रात के समय पुल से भारी वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, हल्के चार पहिया और दोपहिया वाहनों का आवागमन जारी रहेगा। शर्मा के अनुसार, सड़क का यह हिस्सा जगह-जगह से क्षतिग्रस्त होने के कारण वाहन चालकों को दिक्कत हो रही थी। इसी को देखते हुए अब इसका नए सिरे से निर्माण कराया जा रहा है। मरम्मत कार्य के दौरान सबसे पहले क्षतिग्रस्त हिस्से का बेसमेंट तोड़ा जाएगा, फिर सीसी सड़क का निर्माण होगा और अंत में डामरीकरण किया जाएगा। शनिवार को इस कार्य के डायवर्जन के कारण जाम की स्थिति बनी रही, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के साइट इंजीनियर आयुष शर्मा ने बताया कि पुल के कानपुर छोर पर करीब छह मीटर लंबा एप्रोच मार्ग पूरी तरह से खराब हो गया था। इस पूरी प्रक्रिया को तीन दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण कार्य को देखते हुए, रात दस बजे से सुबह आठ बजे तक जाजमऊ नए गंगापुल से भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा। इस अवधि में ट्रक, कंटेनर और अन्य बड़े वाहनों को वैकल्पिक मार्गों की ओर डायवर्ट किया जाएगा। एनएचएआई और संबंधित विभागों ने इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। अधिकारियों ने बताया कि दिन के समय पुल पर सामान्य यातायात चलता रहेगा और हल्के वाहनों तथा दोपहिया वाहनों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे निर्माण कार्य के दौरान सावधानी बरतें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। एप्रोच मार्ग की मरम्मत पूरी होने के बाद पुल पर आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकेगा। एनएचएआई अधिकारियों ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे निर्माण अवधि के दौरान भारी वाहनों के लिए जारी प्रतिबंध का पालन करें, ताकि कार्य समय पर पूरा किया जा सके।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज के सामने छात्रों का प्रदर्शन

उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र स्थित सरस्वती मेडिकल कॉलेज के सामने कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रदर्शन और जाम लगाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने कॉलेज प्रबंधन और लगभग 60 अज्ञात छात्र-छात्राओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रदर्शन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित हुआ था, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। पुलिस के अनुसार, यह घटना 22 जून को दोपहर करीब 1:30 बजे हुई। सरस्वती मेडिकल कॉलेज के सामने बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एकत्र हुए और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और यातायात व्यवस्था बाधित रही। मामले की शिकायत के आधार पर सोहरामऊ थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें कॉलेज प्रबंधन और लगभग 60 अज्ञात छात्रों को आरोपी बनाया गया है। आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक मार्ग बाधित करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने और कानून-व्यवस्था प्रभावित करने सहित विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम की संबंधित धाराएं भी मुकदमे में जोड़ी गई हैं।

अब तक 10 मकान गिराए गए, 28 अभी बाकी शनिवार से फिर शुरू हुआ ध्वस्तीकरण कार्य

उन्नाव की मिश्रा कॉलोनी में नए पुल के निर्माण के लिए मकानों को ध्वस्त करने का अभियान जारी है। अब तक कुल 10 मकानों को जमींदोज किया जा चुका है, लेकिन पोकलैंड मशीन के उपयोग के बावजूद ध्वस्तीकरण की गति धीमी बनी हुई है। यह अभियान रविवार को शुरू किया गया था। प्रशासन और संबंधित विभागों द्वारा पोकलैंड मशीन लगाकर मकानों को गिराने का कार्य कराया जा रहा है। हालांकि, अपेक्षित गति से काम न होने के कारण अभियान निर्धारित समय से पीछे चल रहा है। गुरुवार को अभियान के दौरान तीन मकानों को ध्वस्त किया गया। इसके साथ ही गिराए गए मकानों की कुल संख्या 10 हो गई है। अभी भी लगभग 28 मकानों को हटाया जाना बाकी है। अधिकारियों ने जल्द से जल्द कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया है। मोहर्रम के त्योहार के कारण शुक्रवार को ध्वस्तीकरण अभियान स्थगित रहा। इस दौरान केवल पहले से गिरे मकानों के मलबे को हटाने का काम जारी रखा गया। शनिवार सुबह से मकानों को गिराने का काम फिर से शुरू कर दिया गया है। कभी लोगों की चहल-पहल से भरी रहने वाली मिश्रा कॉलोनी अब पूरी तरह बदल गई है। जहां कभी घरों की कतारें थीं, वहां अब ईंट, पत्थर और मलबे के ढेर दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोग पहले ही अपने मकान खाली कर दूसरी जगह जा चुके हैं। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्हें मुआवजा जो मिला है उससे उनके घर नही बन सकते है, सरकार उन्हें कहीं भूमि का आवंटन करें, जिससे रहने को छत मिल सके।

भाजपा प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन करने पहुंचे सीएम योगी

विकास के लिए सुरक्षा को बताया जरूरी

CM योगी ने भाजपा प्रशिक्षण वर्ग में 2014 के बाद भारत की सुरक्षा, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक का उल्लेख किया। उन्होंने नक्सलवाद, आतंकवाद और उग्रवाद में कमी बताते हुए विकास व अंत्योदय नीति पर जोर दिया। प्रशिक्षण वर्ग 11 सत्रों का है।

CM योगी शनिवार को भाजपा महानगर के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में पहुंचे। उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन किया। CM योगी ने कहा- 2014 के पहले दुश्मन देश हमारे सैनिकों के साथ क्रूरता करते थे। चोरी छिपे उनके साथ अत्याचार कर लेते थे। सरकारें कहती थीं कि बोलना नहीं है कहीं संबंध खराब न हो जाए। यानी देश की कीमत पर संबंध बनाने की चिंता थी। लेकिन 2014 के बाद दुश्मन की आंख से आंख मिलाने की सामर्थ्य, अगर दुश्मन भारत की सीमा पर अतिक्रमण और भारत के जवानों पर चोरी छिपे हमला करता है तो एयर स्ट्राइक और सर्जिक्रल स्ट्राइक से भी कोई रोक नहीं सकता है। आज भारतीय जनता पार्टी ने देश ही नहीं दुनिया के सामने भी अपनी सख्ती और सामर्थ्य का परिचय देते हुए भारतीय सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की। सीएम योगी ने कहा- आज नक्सलवाद बामुश्किल एक, दो जनपद तक सीमित रह गया है, वह भी कुछ दिन में समाप्त हो जाएगा। कश्मीर का आतंकवाद खत्म हो गया। पूर्वोत्तर का उग्रवाद खत्म हो गया। सुरक्षा ही नहीं होगी तो विकास कैसे होगा। सुरक्षा के कारण ही देश में विकास के कार्य हो रहे हैं। जिस देश का इंफ्रास्ट्रक्चर जितना मजबूत होगा, वह देश उतनी ही तेजी से विकास करेगा। उन्होंने कहा- भारतीय राजनीति में जब हम अंत्योदय की बात करते हैं। पं. दीन दयाल उपाध्याय ने स्वतंत्र भारत में सरकारों से इस बात के लिए आह्वान किया कि हमारी आर्थिक उन्नयन का आधार ऊंचे पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए नहीं बल्कि सबसे निचले पायदान पर बैठे व्यक्ति है। उन्हीं को ध्यान में रखकर देश की नीतियां बनाई जानी चाहिए। विधानसभा चुनाव को देखते हुए इस प्रशिक्षण वर्ग को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पं. दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत गोरखपुर महानगर इकाई का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण वर्ग 11 सत्रों में होगा। प्रशिक्षण वर्ग के बाद सभी कार्यकर्ता अयोध्या में राम मंदिर जाएंगे। इससे पहले सहजनवा में जिला प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया था।

36,103 युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर और रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ने के लिए लगातार नई पहल कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'प्रोजेक्ट प्रवीण' एक बार फिर चर्चा में है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना के तहत 36,103 युवाओं को अल्पकालीन कौशल प्रशिक्षण (एसटीटी) देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस पहल का उद्देश्य प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के लिए तैयार करना है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि प्रदेश का कोई भी युवा कौशल और रोजगार के अवसरों से वंचित न रहे। सरकार का लक्ष्य युवाओं को केवल डिग्रीधारी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा हुनरमंद बनाना है, जो बदलते समय की जरूरतों के अनुसार रोजगार प्राप्त कर सके या स्वयं रोजगार सृजित कर सके।

सपा सांसद रुचि वीरा का बीजेपी पर तीखा हमला

अयोध्या के राम मंदिर में कथित चंदा चोरी और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से चंपत राय व अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति पूरी तरह से गरमा गई है। इस मुद्दे पर समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा ने भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम और इस्तीफे को महज एक दिखावा करार दिया। सपा सांसद रुचि वीरा ने चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने की बात कहना एक भद्दे मजाक के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों पर मंदिर और चंदे की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी उनके राज में इतनी बड़ी चोरी हो गई और अब नैतिकता का ढोंग रचा जा रहा है। रुचि वीरा ने सीधे तौर पर निशाना साधते हुए कहा कि "एक तरफ चौकीदार ने जनता से तरह तरह के बड़े-बड़े वादे किए और तीन बार सत्ता हासिल की, लेकिन दूसरी तरफ उसी चौकीदार के राज में अब राम मंदिर में चोरी की घटनाएं हो रही हैं।" उन्होंने कहा कि यह देश भर के करोड़ों राम-भक्तों की गहरी आस्था के साथ सीधा खिलवाड़ है। सांसद ने स्पष्ट मांग की कि अब चौकीदार को सामने आकर इस पूरी घटना पर जवाब देना चाहिए।

यूपी कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक बदलाव राजेंद्र पाल गौतम बने नए यूपी प्रभारी

उत्तर प्रदेश कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक बदलाव हुआ है। कांग्रेस आला कमान ने शुक्रवार शाम यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय को उनके पद से हटा दिया है। कांग्रेस ने अविनाश पांडेय की जगह राजेंद्र पाल गौतम को नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। कांग्रेस ने पूर्व राज्य सभा सदस्य और नागपुर निवासी अविनाश पांडेय को 23 दिसंबर 2023 को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया था। कांग्रेस ने संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए अविनाश पांडेय की जगह राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का नया प्रभारी नियुक्त किया है। कांग्रेस आला कमान द्वारा अचानक लिए गए इस निर्णय से पार्टी नेताओं में हलचल मच गई है। सूत्रों के अनुसार, राजेंद्र पाडेय 19 मई को बाराबंकी सांसद तनुज पुनिया के साथ बिना अपॉइंटमेंट बसपा प्रमुख मायावती से मिलने पहुंचे थे। हालांकि, मायावती से उनकी मुलाकात नहीं हो सकी और उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। बता दें कि राजेंद्र पाल दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे हैं। राजेंद्र पाल, सितंबर 2024 में आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों का दावा है कि जल्द ही यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को भी पद से हटाया जा सकता है। 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस किसी ओबीसी या मुस्लिम चेहरे को प्रदेश की कमान सौंपने की तैयारी में है। पिछले दिनों यूपी के कांग्रेस सांसदों ने दिल्ली में आलाकमान से मुलाकात की थी। इसमें सांसद इमरान मसूद और राकेश राठौर में से किसी एक को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की मांग रखी गई।